केवल आन्तरिक वितरण हेतु

परिसर समाचार

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर–263145, ऊधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड

वर्ष : 3, अंक : 5 पाक्षिक 1–15 फरवरी, 2011

कुलपति की कलम से

ऋतुराज बसन्त का आगमन हो चुका है। बसन्त ऋतु नवस्फूर्ति, हर्षो–उल्लास एवं उमंग का प्रतीक है। हमें एक ऐसे महान देश भारतवर्ष में जन्म लेने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है जहां के निवासी गर्मी, वर्षा, जाड़ा सहित सभी ऋतुओं का आनन्द, अनुभूति एवं अनुभव लेते हैं।

जलवायु परिवर्तन के कारण ही ऋतुयें बदलती रहती हैं एवं परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। परिवर्तन समाज के लिये लाभकारी के साथ–साथ अलाभकारी भी है। प्रकृति से अनावश्यक छेड़छाड़ एवं खिलवाड़ हमारे लिये अभिशाप एवं परेशानी का सबब बन रहा है। आधुनिक मशीनीकरण, ईंधन की ज्यादा खपत, संसाधनों का अंधाधुन्ध दोहन, ग्रीन हाउस गैंसों का उत्सर्जन ये ऐसी मानव जनित गतिविधियाँ हैं जिनका स्पष्ट प्रभाव मनुष्य की दैनिक दिनचर्या पर पड़ा है। साथ ही इससे पर्यावरण प्रदूषण एवं वैश्विक तापमान वृद्धि की समस्या भी उत्पन्न हुई है। इसके कारण सूखे क्षेत्र में अतिवृष्टि एवं अतिवृष्टि वाले क्षेत्र में सूखा पड़ रहा है। हम छोटे–छोटे प्रयास कर उक्त समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। इसके लिये चरणबद्ध रूप से वृक्षारोपण, ऊर्जा का वैकल्पिक स्रोत की ओर रूझान में सौर ऊर्जा, पनचक्की को बढ़ावा, बिजली के लिये सीएफएल का उपयोग, सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल आदि कुछ ऐसे उपाय हैं जिनके उपयोग से सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकते हैं। इसमें वैज्ञानिकों की कर्मस्थली पंतनगर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

डा. बी.एस. बिष्ट

गणतंत्र दिवस कैम्प में भाग लेने वाले एन.सी.सी.प्रतिभागियों का कुलपति द्वारा उत्साहवर्धन

दिनांक 8 फरवरी, 2011 को पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय के सभागार में 1 यू.के.आर. एण्ड वी. स्क्वेड्रन एन.सी.सी. पंतनगर के गणतंत्र दिवस कैम्प एवं प्रधानमंत्री रैली में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के उत्साहवर्धन हेतु एक समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट ने एन.सी.सी. के समस्त टीम को बधाई दी। उन्होंने अपने सम्बोधन में एन.सी.सी. की महत्ता पर प्रकाश डाला और ज्यादा से ज्यादा छात्र–छात्राओं को एन.सी.सी. से जुड़ने की सलाह दी। ज्ञातव्य है कि गणतंत्र दिवस कैम्प का आयोजन 20.12.2010 से 30.01.2011 तक गैरीसन परेड ग्राउण्ड, नई दिल्ली में हुआ था जिसमें एसोसिएट एन.सी.सी. ऑफीसर लै. डा. मीना मृगेश के साथ अंडर आफिसर, सुरेन्द्र अरोरा एवं ललिता यादव, सार्जेन्ट प्रमिला, कैडेट अंकित मलिक एवं महेश कुमार ने भाग लिया। उक्त कैम्प में आयोजित घुड़सवारी की शो जंपिंग प्रतियोगिता में ललिता यादव व प्रमिला ने स्वर्ण पदक तथा सुरेन्द्र अरोरा ने रजत पदक प्राप्त किया। इसके अलावा ललिता यादव ने हैक्स प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया। उत्साहवर्धन समारोह में अधिष्ठाता, पशुचिकित्सा एवं पशुपालन विज्ञान महाविद्यालय, डा. जी. के. सिंह ने कैडेट्स को आर्शीवचन दिये एवं कहा कि एन.सी.सी. विश्वविद्यालय का एक अभिन्न अंग बन चुका है तथा भविष्य में उम्मीद जताई कि महाविद्यालय के अधिक से अधिक कैडेट्स इस तरह की राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। लै. कर्नल निकुंज कुमार ने गणतंत्र दिवस कैम्प के दौरान होने वाले घुड़सवारी की विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे शो जंपिंग, हैक्स, टैन्ट पैंगिंग इत्यादि पर प्रकाश डाला एवं विश्वविद्यालय

प्रशासन द्वारा एन.सी.सी. के कार्यक्रमों को चलाने में दिये जा रहे अतुलनीय सहयोग की सराहना की। लै. कर्नल निकुंज कुमार ने जीत का श्रेय जे.सी.ओ. अर्जुन सिंह, राइडर राजकुमार एवं कैडेट्स के कठिन परिश्रम एवं लगन को दिया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डा. ए.के. कर्नाटक ने कैडेट्स को शुभकामनाएं दी तथा आश्वासन दिया कि भविष्य में भी विश्वविद्यालय प्रशासन एन.सी.सी. को सहयोग देता रहेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि कैडेट्स भविष्य में भी इसी तरह से उत्कृष्ट प्रदर्शन करते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन एसोसिएट एन.सी.सी. ऑफिसर लै. डा. सुधीर कुमार द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर डा. एन.एस.मूर्ति कोआर्डिनेटर एडमीशन, जे. सी.ओ. अर्जुन सिंह, राइडर राजकुमार आदि उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में विजयी विद्यार्थियों के सम्मान में समारोह आयोजित

दिनांक 15 फरवरी, 2011 को विभिन्न राष्ट्रीय वाद–विवाद प्रतियोगिताओं में वर्ष 2011 में विजयी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर कुलपति, डा. बिष्ट ने कहा कि पंतनगर के विद्यार्थियों ने अपने व्यक्तित्व और वाकपटुता की धाक पूरे देश में बनायी है जिसका श्रेय यहां के संचार विकास के विशेष प्रयासों की सराहना की तथा इसे देश में चलने वाली विशिष्ट गतिविधि की संज्ञा दी। उल्लेखनीय है कि पंतनगर विश्वविद्यालय ने 10–12 फरवरी को आयोजित भारतीय कृषि विज्ञान कांग्रेस की राष्ट्रीय वाकपटुता स्पर्धा में लगातार दूसरी बार प्रथम स्थान प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता लखनऊ के राष्ट्रीय मत्स्य आनुवांशिकी केन्द्र में आयोजित की गयी। उक्त प्रतियोगिता को जीतने पर पंतनगर विश्वविद्यालय के आशुतोष भाकुनी को भारतीय कृषि विज्ञान अकादमी के निदेशक, डा. आर.बी. सिंह ने सम्मानित किया।

पंतनगर विश्वविद्यालय के छात्रों ने इस जनवरी मास में राष्ट्रीय सहकारी वाद–विवाद प्रतियोगिता में लगातार पांचवी बार विजेता ट्राफी जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। समारोह में श्रीना केशवानी एवं ममता रौतेला को सम्मानित करते हुए निदेशक संचार डा. बी. कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु कार्यक्रमों की श्रृंखला संचार विभाग के शिक्षा तकनीकी प्रकोष्ठ में चलायी जा रही है जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन प्रयासों का फैलाव हर महाविद्यालय तक होना चाहिए जिससे अधिक संख्या में विद्यार्थियों की क्षमता में वृद्धि की जा सके। पंतनगर के छात्रों ने दिल्ली व देहरादून में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी उल्लेखनीय प्रदर्शन कर विश्वविद्यालय की गरिमा बढ़ायी। इस सम्मान समारोह में उन प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी, गेबाराम, सौरभ सिंह खड़ायत, वीरेश्वर तोमर, गोल्डी तिवारी, पारित गुप्ता एवं आकांक्षा मलकानी को भी सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक चेतना परिषद के समन्वयक, डा. शिवेन्द्र कुमार कश्यप ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक छात्र में छुपी हुई प्रतिभा होती है जिससे सही प्रशिक्षण और मार्गदर्शन द्वारा उभारा जा सकता है। विजय के इस अभियान का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि संचार विभाग में हर सामान्य छात्र का प्रशिक्षण द्वारा उन्नयन किया जाता है जिससे वे राष्ट्रीय स्तर पर विजेता के रूप में उभारते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अधिष्ठाता निदेशक एवं अधिकारियों का स्वागत करते हुए अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डा. अजीत कर्नाटक ने बताया कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है तथा अपने योग्य शिक्षकों के सहयोग से देश में विशिष्ट स्थान बना रहा है।

जलवायु परिवर्तन संबंधी शोध पर इसरो व पंतनगर विश्वविद्यालय के बीच अनुबंध

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और पंतनगर विश्वविद्यालय ने जलवायु की दिशा एवं दशा तय करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किया है। विश्वविद्यालय के कृषि मौसम वैज्ञानिक डा. अजीत सिंह नैन को उक्त शोध परियोजना का दायित्व सौंपा गया है। परियोजना के प्रथम चरण में उत्तराखण्ड के वन क्षेत्रों का विशेष अध्ययन होगा। इसके तहत वनों के माध्यम से उत्सर्जित कार्बनडाईऑक्साइड के अलावा वन भूमि द्वारा अवशोषित कार्बनडाईऑक्साइड के मृदा में स्थिरीकरण के पश्चात् मौसम पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन किया जाएगा। वैज्ञानिकों की अवधारणा है कि प्रदेश के अधिकतम भूभाग में फैले वन क्षेत्र ही प्रचुर मात्रा में कार्बनडाईऑक्साइड का अवशोषित करता है लेकिन इसकी सही मात्रा क्या है, इसके लिए अब तक विशेष शोध की व्यवस्था संभव नहीं हो सकी है। परियोजना के सटीक परिणाम के साथ ही प्रदेश को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लागू बन क्रेडिट नीति के तहत अतिरिक्त वित्तीय लाभ की संभावना बन सकती है। विशेषज्ञों के मुताबित शोध

के पश्चात् प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की दर का भी पता लगाना संभव होगा। इतना ही नहीं जलवायु परिवर्तन का ग्लैशियर पर पड़ने वाले प्रभावों का भी सटीक विश्लेषण किया जाएगा। उक्त परियोजना के विषय को लेकर शोध को अंजाम देने के लिए इसरो द्वारा इटली सरकार के सहयोग से लगभग तीन करोड़ रूपये की लागत से एक अत्याधुनिक टावर का निर्माण किया गया है। टावर में लगे उपकरणों के माध्यम से कार्बन, जलवाष्प, ऊष्मा, तापमान, आर्द्रता, सौर ऊर्जा व त्रिमितीय वायु वेग को मापना अपेक्षाकृत सहज होगा। इसके साथ ही टावर में लगे डेटालागर की सहायता से संबन्धित आंकड़ों को संग्रहीत करना भी संभव होगा। विशेषज्ञों के अनुसार परियोजना के द्वितीय चरण में हरिद्वार के निकट भी इसी प्रकार का टावर स्थापित करते हुए शोध कार्यक्रम का विस्तार होगा।

पंतनगर विश्वविद्यालय को भारत सरकार से दो पेटेन्ट प्राप्त

पंतनगर विश्वविद्यालय को भारत सरकार के पेटेन्ट कार्यालय द्वारा एक साथ दो पेटेन्ट प्रदान किये गये हैं। पहला पेटेन्ट ''अ प्रोसेस फार प्रोडयूसिंग फ्रीज टेस्टुराइज्ड मशरूम एण्ड देयर स्पेन्ट्स'' में प्रदान किया गया है। यह पेटेन्ट मशरूम की ब्लोचिंग तथा कम तापमान पर चूर्णीकरण कर टेक्सराइज्ड खाद्यों के निर्माण से संबंधित है। इसमें कृषि महाविद्यालय के फूड एण्ड साइंस टैक्नोलॉजी विभाग के वैज्ञानिकों, डा. एन. नाथ, डा. एन.एस. शाह एवं डा. दीपिका मिश्रा ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इसके साथ ही दूसरा पेटेन्ट ''अ प्रोसेस फार द प्रिपरेशन आफ प्रोसेस्ड चीज स्प्रेड'' में प्रदान किया गया है। यह पेटेन्ट भैंस के दूध की कैसीन प्रोटीन व मक्खन से मिला कर चीज स्प्रैड तैयार करने की प्रक्रिया के लिए है। इसमें कृषि महाविद्यालय के फूड साइंस विभाग के वैज्ञानिकों, डा. वाई.के. झा एवं डा. सुधीर कुमार ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। ये दोनों पेटेन्ट भारत सरकार के पेटेन्ट अधिनियम 1970 के अन्तर्गत 20 वर्ष के लिए प्रदान किया गया है। दोनों पेटेन्ट प्राप्त होने पर कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट ने संबंधित वैज्ञानिकों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी है तथा इस उपलब्धि को स्वर्ण जयन्ती वर्ष में वैज्ञानिकों द्वारा विश्वविद्यालय को दिया गया उपहार बताया है।

कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन

दिनांक 3, 4, व 14 फरवरी, 2011 को कृषि महाविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग द्वारा संकाय विनिमय प्रोग्राम के अर्न्तगत तीन विशिष्ट व्याख्यानों का आयोजन किया गया । सर्वप्रथम व्याख्यान डा.डी.के.बैम्बी, नेशनल प्रोफेसर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय द्वारा हवा की कार्बन डाईऑक्साइड को कम करने हेतु भूमि में लंबे समय तक बंधित करने पर बल दिया गया । डा.बैम्बी द्वारा मृदा में कार्बन बंधित करने हेतु विभिन्न प्रभावशील तकनीकियों से अवगत कराया। डा. मोहन सिंह, विभागाध्यक्ष, सूक्ष्म जीव विज्ञान, भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर ने अपने व्याख्यान द्वारा निरंतर घटते हुए नैर्सर्गिक स्त्रोतों के परिस्थितियों में फसलों को विभिन्न पोषक तत्वों के पूर्ति हेतु जीवाणु उर्वरकों व अन्य जीवाणुओं के योगदान के बारे में अवगत कराया। निरंतर असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के प्रयोगों के दुष्परिणामों एवं उनकी घटती कार्यक्षमता को ध्यान में रखकर उन्होंने पोषक तत्वों की आंशिक पूर्ति हेतु जीवाणुयुक्त जैविक स्त्रोतों के प्रयोग की महत्ता पर बल दिया । व्याख्यानमाला के अंतिम व्याख्यान में डा.एस.के.बंसल, निदेशक, भारतीय पोटाश अनुसंधान संस्थान, गुडगॉव ने फसल उत्पादन में पोटाश के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विभिन्न फसलों/फलों में उनकी आवश्यकता के अनुसार पोटाश के उर्वरकों के प्रयोग से उत्पादन एवं उत्पाद की गुणवत्ता बढाने के बारे में अवगत कराया। इस व्याख्यानमाला से कृषि महाविद्यालय के संकाय सदस्य तथा छात्र–छात्राएं लाभान्वित हुए। व्याख्यानमाला की अध्यक्षता डा.एस.के. सैनी, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय तथा डा. जे. कुमार, कार्यवाहक अधिष्ठाता ने की । डा. शिव सागर सिंह, पूर्व निदेशक, प्रसार व डा.एम.सिंह, परियोजना समन्वयक, लॉग टर्म फर्टिलाइजर एक्सपेरिमैन्टस परियोजना, मृदा अनुसंधान संस्थान, भोपाल मुख्य अतिथि रहे। व्याख्यानमाला का आयोजन डा. रमेश चन्द्र, प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, मृदा विज्ञान विभाग तथा संचालन डा.के.पी. रावेरकर, सह–प्राध्यापक, मृदा विज्ञान विभाग द्वारा किया गया ।

विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में टेनिस बॉल मिक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 5–6 फरवरी, 2011 को शारीरिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में टेनिस बॉल मिक्स क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्‌घाटन कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने किया। इस अवसर पर कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने सभी खिलाड़ियों का परिचय लेने के साथ ही प्रतियोगिता को विद्यार्थियों व कर्मचारियों के बीच खेल भावना जागृत करने वाला बताया। उन्होंने खिलाड़ियों से खेलभावना के साथ खेलने की अपेक्षा की। मिक्स्ड टेनिस बॉल, क्रिकेट टूर्नामेंट में मेकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग ने कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग को पराजित किया। अर्जुन कुमार को मैन ऑफ द मैच और बेस्ट मैन ऑफ द मैच के खिताब मिले। दिपाली सालार को बेस्ट वुमन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया। प्रशांत बेंज को बेस्ट बॉलर ऑफ मैन और चांदनी भंडारी को बेस्ट बाउलर ऑफ वुमन के खिताब से नवाजा गया। प्रियेश भट्‌ट को बेस्ट फील्डर का सम्मान मिला। टेनिस बॉल, क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल मैच में कंप्यूटर साइंस ने पहले खेलते हुए 81 रन बनाए। मेकेनिकल इंजीनियरिंग ने आठ ओवर चार बॉलों में 82 रन बनाकर जीत दर्ज कराई। मैच में विश्वविद्यालय की 34 टीमों ने भाग लिया। समापन समारोह में कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। आयोजन में अधिष्ठाता, छात्र कल्याण, डा. ए.के. कर्नाटक, जी.एस. बोरा, एच.एस. पपोला, पूनम त्यागी, रमेश चंद्र लोहनी, भास्कर तिवारी, नागेन्द्र, दिनेश चंद्र कांडपाल, डा. डी.के. सिंह, डा. एस.पी. सिंह, शिखा सिंह, रीना रावत, रूचि, विनीता आदि ने सहयोग दिया।

पंतनगर विश्वविद्यालय को अल्मोड़ा के स्यालदे (कैहड़गाँव) के कृषकों द्वारा अपनी भूमि हस्तान्तरित

जनपद अल्मोड़ा के स्यालदे (कैहड़गाँव) के कृषकों द्वारा अपनी भूमि अनुसंधान एवं प्रसार केन्द्र की स्थापना हेतु गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर को बिना किसी मूल्य के हस्तान्तरित की गयी है। विश्वविद्यालय प्रबंध परिषद व माननीय कृषि मंत्री, श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत की स्वीकृति के आधार पर पंजीकरण की कार्यवाही प्रारम्भ की जा चुकी है। इस अनुसंधान एवं प्रसार केन्द्र की स्थापना का मुख्य उद्‌देश्य, कृषि औद्योनिकी एवं पशुपालन के क्षेत्र में पर्वतीय नदी–घाटी क्षेत्रों में त्वरित विकास हेतु पर्यावरण संतुलित आधारीय मॉडल तैयार करना व प्रचार–प्रसार का कार्य करना है। इस हेतु विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों व विकास में कार्यरत विभागों की सहायता ली जायेगी। भूमि हस्तान्तरण के उपरान्त पंजीकरण का कार्य लगभग 50 प्रतिशत तक हो चुका है। शेष कार्य यथाशीघ्र पूर्ण किया जाना है। विश्वविद्यालय की ओर से डा. वाई.पी.एस. डबास, निदेशक प्रसार शिक्षा, श्री जगदीश चन्द्र बडोला, उप वित्त नियंत्रक एवं कृषकों द्वारा पंजीकरण पर संयुक्त हस्ताक्षर किये गये। श्री रमेश चन्द्र उप्रेती, ग्राम प्रधान, पैठाणा व श्री पूरन सिंह मेहरा, ग्राम प्रधान, कैहड़गाँव की उपस्थिति में पंजीकरण कार्य सम्पन्न हुआ। विश्वविद्यालय द्वारा सर्वप्रथम कृषकों व कृषि आधारित उद्यमियों के प्रशिक्षण का कार्य प्रारम्भ करने के साथ–साथ कृषि हेतु स्थानीय कृषकों का उन्नत बीज, सब्जी–पौध व फलों की पौध उपलब्ध करायी जायेगी। तत्पश्चात पूरे वाटरशैड के आधार पर विस्तृत कार्ययोजना के अनुसार कार्य किया जायेगा। कुलपति, डा. बी.एस. बिष्ट, श्री रमेश उप्रेती तथा श्री पूरन सिंह मेहरा के निजी पहल एवं कृषकों के विकासोन्मुखी विचारधारा के फलस्वरूप यह कार्य प्रारम्भ हुआ है। डा. बिष्ट का कहना है कि पर्वतीय क्षेत्रों की नदी–घाटियों में ही पूरे प्रदेश को खाद्यान्न तथा फल–सब्जी व दूध उपलब्ध कराने की पूरी क्षमता है।

कैम्पस स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया

कैम्पस स्कूल में आयोजित समारोह में विद्यालय के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि स्कूल प्रबंध समिति के संरक्षक एवं कुलपति डा. बी.एस. बिष्ट ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए पुरस्कृत विद्यार्थियों को विशेष रूप से बधाई दी। साथ ही शिक्षकों से भी स्कूली बच्चों को संस्कृति व रचनात्मक शिक्षा प्रदान करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2009–10 के बेहतर प्रदर्शन व बोर्ड परीक्षाओं में अव्वल रहे विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के अध्यक्ष डा. वी.एस. राजौरा एवं अन्य पदाधिकारियों डा. अखिलेश वा र्णेय, डा. जे.सी. बडोला व डा. बी.सी. पाठक ने भी गुणवत्तायुक्त शिक्षा के साथ ही विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण की भी वकालत की। अंत में उप प्रधानाचार्य डा. के.सी. तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डी.के. गुप्ता, अचला राठौर, जे.पी. सिंह, शोभना स्वामी, अर्चना बाना, बीना मेहरा, ललिता राव, रागिनी सक्सेना व पुष्पा पाठक आदि का सहयोग सराहनीय रहा।

इंटरनेशनल ओलम्पियाड में कैम्पस स्कूल के विद्यार्थियों का उत्कृ ट प्रदर्शन

कम्प्यूटर लिटरेसी फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कम्प्यूटर ओलम्पियाड में कैम्पस स्कूल के विद्यार्थियों का उत्कृ ट प्रदर्शन रहा। इस प्रतियोगिता में स्कूल के कुल 190 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिनमें से 12 छात्रों को स्वर्ण, 12 को रजत एवं 10 को कांस्य पदक प्राप्त हुआ। पदक प्राप्त करने वाले छात्रों में अस्तित्व रावत, दीया यादव, पल तनेजा, मेहुल जोशी, यश माथुर, पारितो ा पांडे, सान्या अरोरा, श्रीकीर्ति, अनुश्री, दिवस, प्रियांशु, अनुभव ार्मा आदि ाामिल हैं। इसके अलावा समृद्ध सक्सेना, हर्ि ात तिवारी, अनुप्रिया, अंजली रोहेला, सोनाक्षी, अलीसा फहीम, माधव नाौटियाल, आलोक मिश्रा, अक्षय मलिक, तनुज उप्रेती, दीपायन गोप, अमन कुमार सिंह, अंबुज, प्रियांशु, कौशिकी त्रिपाठी, अनुश्री दास, किसलय सिंह और यांशी आदि का भी उत्कृ ट प्रदर्शन रहा। स्कूल प्रबंधन समिति के सचिव डा. अखिलेश कुमार, प्रधानाचार्य डा. बी.सी.पाठक, उप–प्रधानाचार्य डा. के.सी. तिवारी आदि ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भवि य की कामना की है।

अधिष्ठाता, सी.ए.बी.एम. डा. बी.के.सिक्का इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित

कृषि व्यवसाय प्रबन्धन महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. बी.के. सिक्का को बैंकाक (थाईलैंड) स्थित ग्लोबल एचीवमेंट फाउंडेशन ने इंटरनेशनल इंटेलेक्चुअल एचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया है। बैंकाक में आयोजित एक कार्यक्रम में इस अवार्ड की घोषणा की गई। अवार्ड मिलने पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्रों ने डा. सिक्का को बधाई दी। डा. सिक्का ने कृषि व्यवसाय, हार्टिकल्चर और कूल चेन के क्षेत्र में शोध कार्य किया है। उत्तराखण्ड की कृषि नीति बनाने में भी उन्होंने सहयोग दिया है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 7–9 फरवरी, 2011 तक मुख्य कृि ा अधिकारी, ऊधमसिंह नगर के सहयोग से 'कृि ा विविधीकरण' वि ाय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 22 कृ ाकों ने भाग लिया।
- दिनांक 9–11 फरवरी, 2011 तक आजीविका, बागेश्वर के सहयोग से 'मौनपालन' वि ाय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 20 कृ ाकों ने भाग लिया।
- दिनांक 10–12 फरवरी, 2011 तक एन.एफ.एल., लखनऊ के सहयोग से 'रसायन का प्रयोग, विपणन, प्रबन्धन' वि ाय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 31 कृ ाकों ने भाग लिया।
- दिनांक 13–16 फरवरी, 2011 तक जिला उद्यान अधिकारी, टिहरी गढ़वाल के सहयोग से 'औद्यानिकी' वि ाय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 24 कृ ाकों ने भाग लिया।
- दिनांक 14–19 फरवरी, 2011 तक परियोजना निदेशक, आत्मा, भोजपुर (बिहार) के सहयोग से 'कृि ा विविधीकरण' वि ाय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 19 कृ ाकों ने भाग लिया।
- दिनांक 14–16 फरवरी, 2011 तक जिला कृि ा पदाधिकारी, सहरसा, बिहार के सहयोग से 'कृि ा विविधीकरण' वि ाय पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया जिसमें 12 कृ ाकों ने भाग लिया।

संरक्षक : डा. बी.एस. बिष्ट
कुलपति
प्रबंध संपादक : डा. बी. कुमार
निदेशक संचार
संपादक : श्री भीष्म सिंह
वैयक्तिक सहायक